हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 292 : जौनपुर, सोमवार 24 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

मोदी करेंगे गुजरात का दौरा, राजकोट में एयरपोर्ट का करेंगे उद्घाटन

(एजेन्सी)

राजकोट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 और 28 जुलाई को गुजरात के दौरे पर रहेंगे तथा इस दौरान वह राजकोट में नवनिर्मित हीरासर हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए राज्य की राजधानी गांधीनगर में एक कार्यक्रम 'सेमीकॉन इंडिया 2023 का भी उद्घाटन करेंगे। जिलाधिकारी प्रभाव जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 27 जुलाई को राजकोट शहर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने से पहले हीरासर ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री ने अक्टूबर 2017 में हवाई अड्डे की आधारशिला रखी थी। इस संबंध में एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया कि मोदी 28 जुलाई को गांधीनगर में 'सेमीकॉन इंडिया 2023 का उद्घाटन करेंगे। इसके मुताबिक, कार्यक्रम की प्रदर्शनी का उद्घाटन 25 जुलाई को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल करेंगे और यह कार्यक्रम 25–30 जुलाई तक चलेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, एस. जयशंकर और राजीव चंद्रशेखर भी इस कार्यक्रम में उपस्थिति रहेंगे। प्रदर्शनी का उद्देश्य आगंतुकों को सेमीकंडक्टर की जटिल विनिर्माण प्रक्रिया और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति के बारे में अवगत करना है। विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में 'माइक्रोन टेक्नोलॉजी द्वारा सेमीकंडक्टर के विनिर्माण, परीक्षण और पैकेजिंग (एटीएमपी) की एक अत्याधुनिक सुविधा की स्थापना की घोषणा की थी।

नराज ठाकरे के बेटे को टोल प्लाजा पर रोका

(एजेन्सी)

मुंबई । महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता अमित ठाकरे को नासिक टोल प्लाजा पर रोके जाने के बाद रविवार तड़के मनसे कार्यकर्ताओं ने वहां कथित रूप से तोड़फोड़ की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मनसे के संस्थापक राज ठाकरे के पुत्र अमित ठाकरे की कार पर लगे फास्टटैग में कुछ दिक्कत आने के कारण शनिवार रात करीब सवा नौ बजे उन्हें सिन्नार के गोंदे टोल प्लाजा पर कथित रूप से रोका गया था। वह मुंबई लौट रहे थे। मनसे के कार्यकर्ताओं की भीड़ ने रविवार देर रात करीब ढाई बजे टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ की और वहां के संचालकों से माफी मंगवाई। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वावी थाने के एक अधिकारी ने बताया, "घटना की जांच की जा रही है और सीसीटीवी आदि की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत में शातिर ठग चीनी गिरोह का पर्दाफाश

(एजेन्सी)

हैदराबाद। भारत में शातिर ठग चीनी गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। तेलंगाना की हैदराबाद पुलिस ने निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले ऐसे अंतर्राष्ट्रीय गिरोह को पकड़ा है जो किप्टोवॉलेट के नाम पर फ्रॉड करते थे। पुलिस का कहना है कि उसने 712 करोड़ रुपए के क्रिप्टोवॉलेट निवेश की धोखाधड़ी का पता लगाया है। इस सिलसिले में देश के अलग–अलग जगहों से 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक शातिर ठग चीनी ऑपरेटर्स हैं। इस क्रिप्टोवॉलेट निवेश के लेनदेन का लिंक हिजबुल्लाह वॉलेट (टेरर फाइनेंसिंग मॉड्यूल से संबंधित) से पाया गया है। साइबर क्राइम पुलिस ने हैदराबाद निवासी युवक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की थी। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसे एक मैसेजिंग ऐप के माध्यम से शेयरिंग और समीक्षाश के लिए अंशकालिक नौकरी का ऑफर दिया गया तोवह बातों में आ गया और उसने संबंधित वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करा दिया। शुरुआत में उसने 1,000 रुपए का निवेश किया तो उसे फाइव स्टार रेटिंग दी गई और 866 रुपए का लाभ मिला। उसके बाद शिकायतकर्ता ने 25,000 रुपए का निवेश किया तो 20,000 रुपए का मुनाफा हो गया। लेकिन, उसे वापस लाभ लेने की अनुमति नहीं दी गई उससे आगे पैसा निवेश कराया गया और कुल मिलाकर 28 लाख रुपए का नुकसान हुआ। जांच के दौरान पाया गया कि पीड़ित ने जो 28 लाख रुपए गंवाए थे, वे 6 अकाउंट में ट्रांसफर किए गए थे। वहां से पैसा अलग–अलग भारतीय बैंक अकाउंट में और अंत में दुबई में ट्रांसफर कर दिए गए। धोखाधड़ी वाले पैसे का इस्तेमाल क्रिप्टोकरेंसी खरीदने के लिए किया गया था। पुलिस ने इस धोखाधड़ी के 9 आरोपी गिरफ्तार किए हैं जिनमें से एक अहमदाबाद का रहने वाला है और कुछ चीनी युवक हैं। अहमदाबाद का युवक कुछ चीनी नागरिकों के संपर्क में था और भारतीय बैंक अकाउंट की जानकारी शेयर करके कोऑर्डिनेट का काम करता था।

मणिपुर में 2 महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने की घटना को लेकर मेरठ में 'आप का प्रदर्शन

(एजेन्सी)

मेरठ। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने की घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में प्रदर्शन किया। 'आपश कार्यकर्ता काशी टोल प्लाजा पर एकत्रित हुए और केंद्र एवं मणिपुर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। 'आप की छात्र इकाई के प्रदेश अध्यक्ष वंशराज दुबे और जिलाध्यक्ष अंकुश चौधरी की अगुवाई में हुए विरोध–प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर नाराजगी जताई। दुबे ने सवाल किया, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मणिपुर हिंसा पर बोलने में 79 दिन क्यों लगे? क्या केंद्र सरकार मणिपुर में शुरुआत में स्थिति बिगड़ने पर हस्तक्षेप नहीं कर सकती थी? क्या मणिपुर में हालात पर पहले हीकाबू नहीं पाया जा सकता था।

देश में अच्छी चीजों पर बुरी चीजों के मुकाबले 40 गुना अधिक चर्चा हो रही है : भागवत

(एजेन्सी)

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि देश में अब जो अच्छी चीजें हो रही हैं, उन पर बुरी चीजों के मुकाबले कम से कम 40 गुना अधिक चर्चा हो रही है। वह उत्तरी मुंबई के कांदिवली उपनगर में सुवर्णा अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी उपस्थित रहे। भागवत ने कहा, "कई बार नकारात्मक चर्चा सुनने को मिलती है। लेकिन जब हम देशभर में जाते हैं और देखते हैं तो हमें पता चलता है कि भारत में जो अच्छी चीजें हो रही हैं, उस पर बुरी चीजों के मुकाबले 40 गुना अधिक बात हो रही है।" उन्होंने कहा, "सरकार की नीतियों और सरकार में जिम्मेदार लोगों के काम के कारण आज देश का उत्कर्ष हो रहा है। चीजें सुचारू रूप से चल रही हैं क्योंकि कुछ लोग कुछ नहीं करते। अगर वे काम करेंगे तो दिक्कतें होंगी।" भागवत ने कहा कि लोगों में भारत को गौरव हासिल करते देखने की इच्छा 40 साल पहले की तुलना में आज अधिक प्रबल है। उन्होंने कहा, "इसे बढ़ना चाहिए। हम बढ़ रहे हैं लेकिन हम अभी तक उतने शक्तिशाली नहीं हैं।"

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि कुछ लोग हैं जो हमें बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते। उन्होंने कहा, "आज के समाज में सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य भी आवश्यक हो गए हैं।

संसद ठप करने का कोई बहाना उचित नहीं : धनखड़

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली । उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि संसद को हर पल ठप करना उचित नहीं है और प्रश्नकाल नहीं होने को कभी भी तर्कसंगत नहीं ठहराया जा सकता। श्री धनखड़ ने यहां जामिया मिलिया इस्लामिया के शताब्दी वर्ष के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि असहमति लोकतांत्रिक प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन असहमति को शत्रुता में बदलना लोकतंत्र के लिए अभिशाप से कम नहीं है। यह शविरोधश शप्रतिशोधश में नहीं बदलना चाहिए और बातचीत तथा चर्चा ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है ।उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र पूरी तरह से संवाद, चर्चा, विचार–विमर्श और बहस के बारे में है तथा व्यवधान और गड़बड़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि लोकतंत्र में अशांति को हथियार बनाया जा रहा है। लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित रखने के लिए सभी से सहयोग करने का आह्वान करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि संसद को हर पल ठप करने का कोई बहाना नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा, "देश के लोग इसके लिए भारी कीमत चुका रहे हैं ।जब किसी विशेष दिन संसद में व्यवधान होता है, तो प्रश्नकाल नहीं होता ।प्रश्नकाल शासन में जवाबदेही और पारदर्शिता का एक तंत्र है। सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए बाध्य है। जब आप लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन के संदर्भ में सोचते हैं तो प्रश्नकाल न होने को कभी भी तर्कसंगत नहीं ठहराया जा सकता ।उपराष्ट्रपति ने कहा," भारत की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि के साथ, चुनौतियाँ भी आना तय है। हमारी प्रगति हर किसी को पसंद नहीं आ सकती।"उन्होंने युवाओं से पहल करने और ऐसी ताकतों को बेअसर करने का आह्वान करते हुए कहा, श्आपके संस्थानों और विकास की कहानी को कलंकित करने और अपमानित करने के लिए कुछ खतरनाक ताकतें हैं, जिनके भयावह इरादे हैं ।कुछ विदेशी विश्वविद्यालयों का जिक्र करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि वे अस्थिर आधारों पर भारत विरोधी कथ्य को बढ़ावा देने के स्थल बन गए हैं। ऐसे संस्थान छात्रों और संकाय सदस्यों का प्रयोग अपने संकीर्ण एजेंडे के लिए भी करते हैं ।उन्होंने छात्रों से ऐसी स्थितियों से निपटने के दौरान जिज्ञासु होने और निष्पक्षता पर ध्यान केंद्रित करने को कहा ।श्री धनखड़ ने पारदर्शिता और जवाबदेही को वर्तमान सरकार का मुख्य फोकस क्षेत्र बताते हुए कहा कि आज भ्रष्टाचार, बिचौलियों और सत्ता के दलालों के लिए कोई जगह नहीं है। सभी भ्रष्टाचारी एक समूह में एकत्रित हो गए हैं। वे छिपने और भागने के लिए सभी ताकतों का प्रयोग कर रहे हैं ।उन्होंने कहा कि कानून के शासन को चुनौती देने के लिए सड़क पर प्रदर्शन सुशासन और लोकतंत्र की पहचान नहीं है। भ्रष्टाचार न्यायसंगत विकास और समान अवसरों के विरुद्ध है।

विपक्षी गठबंधन 2024 नहीं, 2029 लोकसभा चुनाव की करें तैयारी : केशव मौर्य

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को 'तीसरी बार–मोदी सरकार का नारा दोहराते हुए लोकसभा चुनाव 2024 में जीतने की बात की है और विपक्ष पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश की जनता 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भ्रष्ट, परिवारवादी नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला पिछले दो लोकसभा चुनावों की तरह ही करेगी। बता दें कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 2024 में भाजपा के लोकसभा चुनाव में जीतने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि जनता पिछली वार की तरह ही भाजपा को जीत दिलाएंगी। यह बात उन्होंने आज यानी रविवार सुबह एक ट्वीट के जरिए कही है। उन्होंने लिखा कि "देश की जनता ने 2014 और 2019 में जिस तरह से सत्ता वियोग में विलाप करने वाले और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का विरोध करने वाले भ्रष्ट, परिवारवादी नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला किया था, वैसा ही वह 2024 में भी करने जा रही है। केशव मौर्य ने "तीसरी बार मोदी सरकार हैशटैग के साथ यह ट्वीट ऐसे समय में किया है, जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दल मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लगातार हमलावर हैं। इससे पहले मौर्य ने शनिवार शाम ट्वीट किया था, "विपक्षी गठबंधन 2024 नहीं, 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी करे। 2024 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तीसरी बार सरकार बनवाने का फैसला ले लिया है।

आलोक अराधे ने तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में ली शपथ

(एजेन्सी)

हैदराबाद। न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने रविवार को यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली ।राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने न्यायमूर्ति आलोक अराधे को पद की शपथ दिलाई ।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के चंदशेखर राव, मुख्य सचिव शांति कुमारी, डीजीपी अंजनी कुमार और अन्य लोग शामिल हुए ।हाल ही में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आलोक अराधे को तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति आलोक अराधे का जन्म 13 अप्रैल, 1964 को रायपुर में हुआ था। उनके पास बी.एससी और एलएलबी की डिग्री है तथा 12 जुलाई, 1988 को एक वकील के रूप में नामांकित हुए थे। उन्हें अप्रैल 2007 में एक वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया था ।उन्होंने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश स्वर्गीय न्यायमूर्ति जी.पी. सिंह के साथ एम.पी.जैन और एस. एन.जैन द्वारा प्रशासनिक कानून के सिद्धांतों के 5 वें और 6 वें संस्करण को संशोधित किया। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करने के लिए न्यायिक अधिकारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में भी कार्य किया ।अपने प्रैक्टिस के दौरान उन्होंने जबलपुर में मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय में सिविल और संवैधानिक, मध्यस्थता और कंपनी मामलों को संभाला। न्यायमूर्ति आलोक अराधे को 29 दिसंबर, 2009 को मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और 15 फरवरी, 2011 को स्थायी न्यायाधीश बन गए ।बाद में उन्हें 16 सितंबर, 2016 को जम्मू–कश्मीर के उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया और 20 सितंबर को पद की शपथ ली।

दिल्ली में झमाझम बारिश, राजधानी में लोगों को फिर सता रहा बाढ़ का डर

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रविवार को गरज के साथ बारिश हुई। बारिश के साथ ही लोगों को उमस से राहत मिली। वहीं, राजधानी में एक बार फिर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। लोगों को एक बार फिर बाढ़ का डर सता रहा है। निचली इलाकों में लोगों को चेतावनी जारी की जा रही है। बाढ़ग्रस्त इलाकों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश जारी किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी का जलस्तर रविवार को एक बार फिर खतरे के निशान के पार चला गया।

हेमा मालिनी ने सात हजार बच्चों के लिए की रसोई की शुरुआत

(एजेन्सी)

बरसाना। सांसद एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी ने अक्षय पात्र प्रतिष्ठान की 67वीं रसोई का रविवार को यहां उद्घाटन किया जिसके माध्यम से क्षेत्र के 96 विद्यालयों में 7500 से ज्यादा बच्चों को दिन का पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मथुरा से लोकसभा सांसद ने बरसाना के आजनोख में इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अक्षय पात्र भारत में 67 से ज्यादा रसोई का संचालन कर रहा है। उन्होंने अक्षय पात्र को महाभारत काल की द्रोपदी की कथा से जोड़ते हुए कहा कि भगवान कृष्ण ने जिस तरह द्रोपदी के अक्षय पात्र में सबके लिए भोजन उपलब्ध कराया था उसी अवधारणा पर श्रीकृष्ण और राधा रानी की लीला भूमि में इस अक्षय पात्र से हज़ारों बच्चों को हर दिन भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अच्छा भोजन और पौष्टिक भोजन बच्चों को उपलब्ध हो, अक्षय पात्र यह सुनिश्चित करता है ।

पुनर्विकसित प्रगति मैदान का लोकार्पण 26 को

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली। राजधानी में व्यापार मेलों एवं अन्य बड़े आयोजनों के लोकप्रिय स्थल प्रगति मैदान के पुनर्विकसित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (आईईसीसी) का लोकार्पण 26 जुलाई को किया जाएगा जहां सितंबर में विश्व के 20 आर्थिक रूप से शक्तिशाली देशों के समूह जी–20 का शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाना है ।राजधानी के बीचोंबीच लगभग 123 एकड़ के परिसर क्षेत्र में फैले प्रगति मैदान परिसर की देश के सबसे बड़े एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) गंतव्य के रूप में पहचान है। संभवतरू प्रधानमंत्री श्री मोदी इस परिसर का उद्घाटन करेंगे ।आयोजनों के लिए उपलब्ध कवर किए गए स्थान के संदर्भ में, पुनर्विकसित और आधुनिक आईईसीसी कॉम्प्लेक्स दुनिया के शीर्ष 10 प्रदर्शनी और कन्वेंशन कॉम्प्लेक्स में शामिल है, जो जर्मनी में हनोवर प्रदर्शनी केंद्र, शंघाई में राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर (एनईसीसी) जैसे विशाल परिसरों की टक्कर का है। आईईसीसी के कद और बुनियादी ढांचे की विशालता बड़े पैमाने पर विश्व स्तरीय आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की क्षमता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है ।आधिकारिक जानकारी के अनुसार कन्वेंशन सेंटर के लेवल–3 पर, लगभग 7000 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया में प्रतिष्ठित सिडनी ओपेरा हाउस की 5500 लोगों के बैठने की विशाल क्षमता से भी बड़ा है। यह प्रभावशाली विशेषता आईईसीसी, वैश्विक स्तर पर मेगा सम्मेलनों, अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों और सांस्कृतिक समारोहों की मेजबानी के लिए उपयुक्त स्थान है ।प्रदर्शनी हॉल उत्पादों, नवाचारों और विचारों को प्रदर्शित करने के लिए सात नवीन स्थान प्रदान करते हैं।

दिल्ली-गुजरात में बाढ़ का कहर, शाह ने की सीएम भूपेंद्र पटेल और एजी सक्सेना से बात...स्थिति की ली जानकारी

नयी दिल्ली केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से रविवार को बात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति के बारे में जानकारी ली। शाह ने यमुना नदी के जलस्तर को लेकर भी दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना से चर्चा की। गृह मंत्री ने ट्वीट किया, "गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से हालिया भारी बारिश के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में पैदा हुई बाढ़ जैसी स्थिति पर चर्चा की। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना से भी यमुना नदी के जलस्तर को लेकर चर्चा की। जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए पर्याप्त संख्या में एसडीआरएफ (राज्य आपदा मोचन बल) और एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) के कर्मी मौजूद हैं। गुजरात के दक्षिणी और सौराष्ट्र क्षेत्रों के कई जिलों में शनिवार को भारी से बहुत भारी बारिश होने के कारण कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। बांधों एवं नदियों में जल खतरे के स्तर तक बढ़ गया है।

राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी का जलस्तर रविवार को एक बार फिर खतरे के निशान के पार चला गया।

सम्पादकीय

हम भारत के लोग

26 जनवरी 1950 को जब बाबा साहेब अम्बेडकर के लिखे संविधान को भारत के लोगों ने अपनाया तो इसका विरोध भारत के धार्मिक कट्टरपंथियों ने इस आधार पर किया कि यह संविधान प्रत्येक धर्म, जाति, सम्प्रदाय, वर्ग, समुदाय, क्षेत्र व लिंग के व्यक्ति को एक समान अधिकार देता था तथा समाज के दबे– कुचले व पिछड़े और उपेक्षित वर्गों को ऊपर उठाने के लिए सरकारों को विशेष अधिकार भी प्रदान करता था। इसके साथ ही भारत के आम व सामान्य व्यक्ति में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए सरकारी प्रयासों की वकालत भी करता था। समाज में बराबरी स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक सोच का जागृत होना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि केवल यही सोच ही रूढियों व कुरीतियों में फंसे समाज को इंसानियत की राह पर ले जा सकती है। इसीलिए मानवता या इंसानियत को भारतीय संविधान का मूलाधार भी माना जाता है। दुनिया के इस सबसे बड़े लिखित संविधान को भारत के लोगों ने अपनाया तो लक्ष्य स्पष्ट था कि आदमी–आदमी में किसी प्रकार का भेदभाव उसके जन्म या धर्म अथवा जाति के आधार पर नहीं किया जा सकता परन्तु भारतीय समाज को आधुनिक व वैज्ञानिक बनाने की अन्तिम जिम्मेदारी राजनैतिक समाज पर ही थी क्योंकि भारत की लोकतान्त्रिक प्रणाली के तहत राजनैतिक समाज ही सत्ता में आकर देश के लोगों के लिए सामाजिक–आर्थिक नीतियों का निर्माण कर सकता था। अतः यदि हम स्वतन्त्रता से लेकर अब तक के राजनैतिक समाज के चरित्र का विश्लेषणा करें तो पायेंगे कि देश में जिस स्तर के राजनैतिक चरित्र के लोग सत्ता में रहे उसी स्तर पर भारत के आम लोगों का सामाजिक चरित्र भी रहा। राजनैतिक स्तर का सीधा प्रभाव किसी भी लोकतान्त्रिक देश के समाज पर पड़े बिना नहीं रह सकता। इस तथ्य को केवल एक उदाहरण से समझाया जा सकता है कि 'भ्रष्टाचार की गंगा कभी नीचे से ऊपर की तरफ नहीं बहती बल्कि वह ऊपर से नीचे की तरफ बहती है'। भारतीय संस्कृति की गांवों में प्रचिलित लोकोक्ति 'यथा राजादृतथा प्रजा' का मतलब भी मोटी भाषा में यही निकलता है। अतः आजादी के बाद से अब तक हमारी राजनीति में जो गिरावट दर्ज हुई है उसी का अक्स हम समाज में देख रहे हैं। इसका एक मतलब बिल्कुल स्पष्ट है कि कभी भी समाज राजनैतिक चरित्र को नहीं गढ़ता है बल्कि राजनीति समाज के चरित्र को गढ़ती है। लोकतन्त्र में व्यक्ति के जन्म से लेकर मरण तक की सारी क्रियाएं व गतिविधियां राजनीतिक प्रशासनिक ढांचे से ही संचालित होती हैं अतः राजनैतिक चरित्र के स्तर का व्यक्ति के जीवन में सर्वाधिक महत्व होता है। यह न तो मार्क्सवाद का सिद्धान्त है और न किसी पश्चिमी दार्शनिक की स्थापना बल्कि पूर्ण रुपेण और विशुद्ध रूप से भारतीय गांधी वादी दृष्टि है जिसने भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति दिला कर भारत को संविधान देने तक का काम किया। इस सन्दर्भ में यह उल्लेख करना बहुत जरूरी है कि गांधी जी जब स्वतन्त्रता की लड़ाई लड़ रहे थे तो उनके संघर्ष के कई साल केवल हिन्दू समाज में हरिजनों व आदिवासियों की स्थितियों को सुधारने में ही बीते और इस दौरान उन पर कट्टरपंथी वर्ण व्यवस्था के हिमायती तबकों द्वारा जानलेवा हमले भी किये गये। जब भारत का संविधान बन रहा था तो डा. भीमराव अम्बेडकर दलितों या हरिजनों की सामाजिक स्थिति को लेकर बहुत चिन्तित थे। मगर संविधान सभा में एक व्यक्ति ऐसा भी था जो भारत के आदिवासियों की स्थिति के बारे में सबसे ज्यादा चिन्तित था। उस व्यक्ति का नाम कैप्टन जयपाल सिंह था। वह झारखंड के छोटा नागपुर इलाके के आदिवासी थे और हाकी के प्रसिद्ध खिलाड़ी थे। लन्दन में उनकी पढ़ाई–लिखाई भी हुई थी जो ईसाई मिशनरी की मदद से हुई थी। वह भारतीय हाकी टीम के कप्तान द्वितीय विश्व युद्ध के काल के समय बने मगर तब लगातार कई वर्ष ओलम्पिक खेल ही नहीं हुए थे जिससे वह इस खेल में भारतीय हाकी टीम की कप्तानी नहीं कर सके मगर उनके साथ कैप्टन जुड़ गया। संविधान सभा के सदस्य के रूप में जब डा. अम्बेडकर दलितों के लिए आरक्षण की व्यवस्था कर रहे थे तो कैप्टन जयपाल सिंह ने आदिवासियों का सवाल उठाया और बताया कि जंगलों और अपनी परंपराओं को मानने वाले ये लोग ही मूलतः भारत के मूल निवासी हैं जिनकी डोर 'सिन्धु घाटी की सभ्यता' से जुड़ी हुई है। कैप्टन जयपाल सिंह ने संविधान सभा में अपने तार्किक व तथ्यपूर्ण भाषा के माध्यम से यह सिद्ध किया कि भारत के मूल आदिवासी निवासियों के साथ होने वाले अन्याय की अवधि हरिजनों के साथ होने वाले अन्याय से भी लम्बी है जिसकी वजह से उन्हें जंगलों में जाकर अपनी जीवन शैली व संस्कृति की रक्षा करने को मजबूर होना पड़ा और खुद को कथित सभ्य कहने वाले समाज के लोगों ने उनके साथ क्रूरतम व्यवहार किया। अतः हरिजनों के साथ स्वतन्त्र भारत में इस समाज के लोगों को भी आरक्षण दिया जाये और उनकी संस्कृति को जीवित रखने के लिए संविधान में समुचित व्यवस्था की जाये। इसके बाद दलितों के साथ आदिवासियों को भी आरक्षण देने की व्यवस्था दी गई और संविधान में पांचवीं व छठी अनुसूचि बना कर आदिवासी संस्कृति को सुरक्षित रखने व उनके विकास के लिए राज्यपालों की मार्फत सीधे केन्द्र को सक्षम बनाया गया। तब इन सूचियों को यहां तक कहा गया कि यह संविधान के भीतर संविधान है । यदि हम केवल संविधान की ही बाते करें तो मणिपुर से लेकर देश के जिन–जिन राज्यों में भी आदिवासी रहते हैं उन सभी को पूरी सुरक्षा व बराबरी का दर्जा देने की पुख्ता व्यवस्था हमारे पुरखे करके गये हैं। इसलिए जरूरी है कि हम केवल संविधान का शासन ही पूरे देश में सख्ती से लागू करें और समाज के विकास की राह उजागर करें।

मणिपुर सरकार की जबाबदेही पर चुप्पी

प्रेम शर्मा

मणिपुर हिंसा के बीच महिलाओं के वायरल हुए वीडियों के उपरान्त सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी, देश भर में जनाक्रोश के बाद उचित और अपेक्षित ही है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय गृहमंत्री और प्रधानमंत्री ने अपना क्षोभ व्यक्त करने के साथ यह संकल्प व्यक्त किया कि राष्ट्र को नीचा दिखाने वाली इस घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा लेकिन यह हैरानी की बात है कि मई के पहले सप्ताह में घटी इस खौफनाक घटना से राज्य सरकार तत्काल अवगत नहीं हो सकी। कुल मिला लम्बे समय से चली आ रही मणिपुर हिंसा को लेकर मणिपुर सरकार के प्रति केन्द्र और प्रधानमंत्री की चुप्पी या वहॉ तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाए जाने का फैसला निश्चित तौर पर बहुत कहने को मजबूर करता है। आपसी वैमनस्य और जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उन्हें सार्वजनिक रूप से घुमाने, उनके साथ वहशी व्यवहार करने और उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सभ्य समाज को क्षुब्ध और लज्जित करने वाली है। इस घिनौनी घटना ने मणिपुर के साथ देश को भी शर्मिंदा करने का काम किया है।इस घटना की सामूहिक भर्त्सना ही नहीं होनी चाहिए, बल्कि सभी सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कहीं पर भी मानवता को शर्मसार करने वाली ऐसी घटना न घटे। ऐसा तभी हो सकता है, जब ऐसी किसी भी वीभत्स घटना के लिए जिम्मेदार तत्वों को जितनी जल्दी संभव हो सके, कठोरतम सजा का भागीदार बनाया जाए। आखिर किसी राज्य का शासन इतना अक्षम कैसे हो सकता है कि सार्वजनिक स्थल पर इतनी घृणित घटना घट जाए और उसे कुछ पता न चले? यह मानने के अच्छे–भले कारण हैं कि मणिपुर सरकार अपने दायित्वों का निर्वहन सही तरह नहीं कर पा रही है। शायद यही कारण है कि वहां लंबे समय तक बड़े पैमाने पर हिंसा के साथ आगजनी होती रही। इस हिंसा में अनेक लोग मारे गए और हजारों लोगों को अपना घर–बार छोड़कर भागना पड़ा। इस दौरान भी कई महिलाओं के साथ यौन हिंसा हुई। देश के गृहमंत्री के कई दौरे और सीधे मणिपुर हिंसा पर नजर होने के बावजूद मणिपुर में हिंसा का सिलसिला थम नहीं रहा है। ढाई महीने से भी ज्यादा वक्त से मणिपुर के लोग हिंसा की आग में झुलसने को मजबूर हैं। मणिपुर को लेकर एक और बात है, जिसका सिलसिला थम नहीं रहा है। यह समझ आता है कि मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए राक्षसी कृत्य से सुप्रीम कोर्ट भी कुपित है और विपक्षी दल भी नाराज है। विपक्षी नेता सड़क से लेकर संसद तक अपना आक्रोश व्यक्त करने के साथ सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। यह घटना ही ऐसी है कि सभी को आवाज उठानी चाहिए, लेकिन यदि विपक्ष यह चाहता है कि इस बेहद गंभीर मामले पर संसद में गहन चर्चा हो और सरकार जवाब दे तो फिर उसे अपने हंगामे पर विराम लगाना होगा। यही नही इतने गम्भीर मुद्दे में समाज की भूमिका भी स्पष्ट होनी चाहिए। इतने गंभीर और मानवता के अस्तित्व को ही नकारने से जुड़े मसले पर भी समाज के लोगों में जो बंटवारे की प्रवृति दिख रही है, वो किसी भी नजरिए से देश के आम लोगों के लिए फायदेमंद नहीं है। मुद्दा चाहे कोई भी, खांचों या खेमों में बांटने या बंटने की प्रवृत्ति राजनीति से जुड़े लोगों, राजनीतिक दलों और नेताओं में तो शुरू से रहा है, लेकिन जब समाज में आम लोग भी इस तरह के बंटवारे का हिस्सा बन जाते हैं, तो इसमें नुकसान सिर्फ और सिर्फ देश के नागरिकों का होता है। मणिपुर हिंसा को लेकर तो लोग पहले से ही खांचों में बंटते दिख रहे थे। मैतेई समुदाय के लिए एसटी स्टेटस की मांग और कुकी समुदाय की ओर से विरोध से शुरू 3 मई को व्यापक स्तर पर हिंसा की शुरुआत होती है। मैतेई और कुकी समुदाय के बीच संघर्ष से शुरू हुई इस हिंसा को लेकर राज्य से बाहर के लोगों की प्रतिक्रियाएं भी समुदाय विशेष से लगाव और जुड़ाव के आधार पर आने लगी। हालांकि इंटरनेट बंद होने से मणिपुर से बहुत सारी खबरें और घटनाएं इस दौरान बाहर आ ही नहीं पाई। लेकिन जब 19 जुलाई को वीडियो वायरल होता है तो देखते ही देखते देशभर से इसके खिलाफ प्रतिक्रिया आने लगती है।

बहरहाल मणिपुर में हालात कितने बुरे हैं, ये जब आम लोगों को समझ आ रहा है तो फिर मणिपुर की सरकार और केंद्र सरकार को तो ज्यादा अच्छे से पता होगा। मणिपुर की हिंसा में 150 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। हिंसा में 5 हजार आगजनी की घटनाएं होती हैं। 60 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध और यौन उत्पीड़न में सारी हदें पार कर दी जा रही हैं। अब तो मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके तक ने टीवी पर आकर इन सारी बातों को स्वीकारा है। राज्यपाल अनुसुइया उइके ने इतना तक कहा है कि उन्होंने अपनी जिंदगी में इतनी हिंसा कभी नहीं देखी। इसके साथ ही राज्यपाल ने टीवी पर ही इस बात को स्वीकारा भी है कि मणिपुर की हालात से जुड़ी रिपोर्ट वो ऊपर भेज चुके है। यही वह सच है जिसके आधार पर अबतक मणिपुर सरकार की जबाबदेही तय हो जानी चाहिए थी। इसके लिए केन्द्र के पास सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने से अच्छा कोई रास्ता नही था। इस फैसले से जहॉ मौका परस्तो को राजनैतिक रोटियॉ सेकने का मौका नही मिलता वही ऐसा करने से काफी हद तक मणिपुर में स्थानीय राजनीति का हस्तक्षेप कम होने से उपद्रवी लोगों पर आसानी से कार्रवाई का मौका मिल जाता। लेकिन इतना होने के बावजूद मणिपुर की एन बीरेन सिंह सरकार को हटाकर वहां अब तक राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया गया है। मणिपुर हिंसा की राजनीतिक जवाबदेही को लेकर केंद्र सरकार की ओर से कुछ भी नहीं कहा गया है। ऐसा न करने से कही ना कही केन्द्र सरकार भी मणिपुर हिंसा के लिए राज्य सरकार के साथ जिम्मेदार नजर आती है। मणिपुर हिंसा को लेकर वैश्विक स्तर पर भी भारत की छवि खराब हो रही है।

तेज रफ्तार का कहर

आदित्य नारायण

अक्सर लोग कहते हैं कि जिन्दगी हादसों का ही सफर है। हादसे कभी भी किसी भी समय हो सकते हैं। देश में जिस तरह से भयंकर सड़क हादसे हो रहे हैं उससे तो यही लगता है कि हादसों का शिकार होने की बजाय हादसों से बचना ही जीवन है। भारत तेज रफ्तार का शिकार हो रहा है। कोई भी दिन ऐसा नहीं गुजरता है जिस दिन देश के किसी न किसी भाग में हादसा न हुआ हो, जिसमें कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ता है। सड़क हादसों से जुड़ी खबरों पर विमर्श होना बहुत जरूरी है। खबर है कि अहमदाबाद के इस्कान घब्रिज पर भयंकर सड़क हादसा हुआ। सड़क पर पहले से ही एक थार और डम्पर के बीच दुर्घटना हुई उसे देखने के लिए लोग वहां जमा हो गए थे। उसी समय तेज रफ्तार से आ रही जगुआर कार ने वहां खड़े लोगों को कुचल दिया। हादसे में दो पुलिस कांस्टेबलों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। जगुआर कार की स्पीड 160 किलोमीटर प्रति घंटा थी। दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि पुल पर खड़े लोग तीस–तीस फीट दूर जा गिरे। हिट एंड रन के मामले पहले भी हो चुके हैं। जब अमीर मां–बाप के बेटों ने तेज रफ्तार से कार चलाते हुए पटरी पर सो रहे लोगों को कुचल घ्डाला था। कभी शराब के नशे में धुत्त लोगों ने राहगीरों को मौत के आगोश में सुला दिया। लेकिन दुर्घटना को देखने जमा हुए लोग दुर्घटना का शिकार हो गए, यह अपने आप में पहला मामला है। अब सवाल यह है कि इन हादसों को रोका कैसे जाए। ट्रैफिक नियमों की अनदेखी हमारे समाज में आम बात हो चुकी है। रात को तो ट्रैफिक नियमों का कोई अर्थ नहीं रह जाता। सड़क दुर्घटनाओं की दो बड़ी वजह यही है कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना। दुनिया भर में यह मशहूर है कि भारतीयों को ट्रैफिक सैंस नहीं है। भारत सड़क दुर्घटनाओं के मामले में पहले स्थान पर है। अमेरिका और चीन भी हम से पीछे हैं। शराब पीकर वाहन चलाना देश में जन्मसिद्ध अधिकार जैसा माने जाना लगा है। भारत में सड़क हादसों के आंकड़े बताते हैं कि देश में वर्ष 2021 में सड़क दुर्घटनाओं में 1.55 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा औसत 426 लोग प्रतिदिन या हर घंटे 18 लोगों का है। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल देश में 4.03 लाख सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के अलावा 3.71 लाख लोग घायल भी हुए।

देश में दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक रोड एक्सीडेंट के मामले 2020 में 3,64,796 से बढ़कर 2021 में 4,03,116 हो गए। मौतों में 16.8 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। 2020 में 1,33,201 और 2021 में 1,55,622 लोगों ने सड़क हादसे में अपनी

जान गंवाई है। साथ ही 2021 में प्रति हजार वाहनों की मौत दर 2020 में 0.45 से बढ़कर 2021 में 0.53 हो गई है। विश्लेषण से पता चलता है कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं तेज गति के कारण हुई हैं। देश में मोटर व्हीकल एक्ट में किया गया संशोधन 1 सितंबर 2019 से लागू हुआ था। इसका मकसद देश में सड़क पर यातायात को सुरक्षित बनाना और सड़क हादसों में लोगों की मौत की संख्या को कम करना था। भारत में होने वाले सड़क हादसे में करीब 26 फीसदी खतरनाक या लापरवाह ड्राइविंग या ओवरटेकिंग की वजह से होते हैं। कोविड–19 महामारी की रोकथाम के लिए देशभर में लॉकडाउन लगाया गया था। उससे सड़क हादसों में लगभग बीस हजार लोगों की जान बचायी गईं। किसी युवा या परिवार का पालन–पोषण करने वाले व्यक्ति का किसी हादसे में चले जाना परिवारों को कितना भारी पड़ता होगा, इसका अहसास दूसरे लोगों को नहीं है। राज्य सरकारों को मृतकों के परिवारों और घायलों को मुआवजा भी देना पड़ता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश में शानदार राजमार्ग बन चुके हैं। एक्सप्रैस–वे और अन्य सम्पर्क सड़कें बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में शानदार काम हुआ है। उनका लक्ष्य सड़क दुर्घटना और इसके कारण हो रही मौतों में कमी लाना है। तमिलनाडु ने इस दिशा में उल्लेखनीय काम किया है, वहां सड़क हादसों में होने वाली मौतों में कमी आई है। यदि सड़क हादसों से बचना है तो समाज में यातायात नियमों को लेकर जागरूकता फैलानी होगी और तेज रफ्तार से वाहन चलाने की मानसिकता को बदलना होगा। यातायात नियमों को अपनी आदत बनाना होगा। सड़क दुर्घटनाओं के कारण बेवजह इतनी जानें चली जाती हैं कि युद्ध में भी इतने लोग नहीं मरते होंगे। दुर्घटनाओं की वजह से न केवल परिवार बर्बाद होते हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है। सड़क हादसे केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि एक सामाजिक समस्या है।

समय और लागत घटाने के साथ ही पर्यावरण को बचाने में भी होंगे उपयोगी

इस साल के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी था कि समावेशी विकास के तहत सरकार फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए किसान ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देगी। मोदी सरकार कृषि बाजार के उदारीकरण के साथ ही खेती–किसानी में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की नीति पर काम कर रही है। कृषि ड्रोन से बीज रोपण से लेकर पानी और कीट प्रबंधन की सटीक जानकारी मिलेगी। कृषि ड्रोन सेंसर तकनीक और इंटेलीजेंस सिस्टम द्वारा बड़े क्षेत्र में कम समय में बीज रोपण कर देता है। रोपण प्रणाली वाले ड्रोन सीधे मिट्टी में बीज लगा सकते हैं। चूंकि ड्रोन फसलों में सही मात्रा में कीटनाशकों एवं उर्वरकों का छिड़काव करता है तो इससे भूमि की शुद्धता बनी रहती है और रसायनों के अधिक प्रयोग की आशंका समाप्त होती है। ड्रोन में लगे सेंसर उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जो बहुत शुष्क होते हैं या जिनमें जलभराव की समस्या होती है।

रमेश कुमार दुबे

कुछ साल पहले तक खेती–किसानी की जरूरतों के लिए हम उपग्रहों से भेजी गई तस्वीरों पर निर्भर थे, लेकिन अब ड्रोन से यह काम और आसान हो गया है। ड्रोन से ली गईं तस्वीरें उपग्रहों से ली गई तस्वीरों की तुलना में ज्यादा सटीक भी होती हैं। इससे भी बड़ी बात यह है कि हम ड्रोन के जरिये छोटी–छोटी जगहों की तस्वीरें आसानी से ले सकते हैं। कृषि के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध हो रहे ड्रोन जीपीएस आधारित नेविगेशन सिस्टम और सेंसर से लैस होते हैं। यह खेती में किसानों की मेहनत और समय दोनों की बचत करता है। फिलहाल कृषि ड्रोन का इस्तेमाल खेतों में उर्वरक, रसायनों और कीटनाशकों के छिड़काव में अधिक हो रहा है। एक कृषि ड्रोन मात्र 20 मिनट में करीब एक एकड़ खेत में कीटनाशकों का छिड़काव कर देता है। हाथ से कीटनाशकों के छिड़काव से न केवल अधिक मात्रा में छिड़काव हो जाता है, बल्कि उसकी मात्रा से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। ड्रोन की ऐसी उपयोगिता को देखते हुए सरकार ने कुछ सीमाओं के साथ खेती में ड्रोन के उपयोग की अनुमति दे दी है। इसके लिए सरकार ने स्टैंडर्ड आपरेटिंग सिस्टम यानी एसओपी बनाया है। मोदी सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान का एक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल आधारभूत ढांचा तैयार करना है ताकि फसल मानचित्रण, मृदा परीक्षण और सिंचाई आदि में सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम इस्तेमाल किया जा सके। इस साल के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी था कि समावेशी विकास के तहत सरकार फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए किसान ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देगी। मोदी सरकार कृषि बाजार के उदारीकरण के साथ ही खेती–किसानी में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की नीति पर काम कर रही है। कृषि ड्रोन से बीज रोपण से लेकर पानी और कीट प्रबंधन की सटीक जानकारी मिलेगी। कृषि ड्रोन सेंसर तकनीक और इंटेलीजेंस सिस्टम द्वारा बड़े क्षेत्र में कम समय में बीज रोपण कर देता है। रोपण प्रणाली वाले ड्रोन सीधे मिट्टी में बीज लगा सकते हैं। चूंकि ड्रोन फसलों में सही मात्रा में कीटनाशकों एवं उर्वरकों का छिड़काव करता है तो इससे भूमि की शुद्धता बनी रहती है और रसायनों के अधिक प्रयोग की आशंका समाप्त होती है। ड्रोन में लगे सेंसर उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जो बहुत शुष्क होते हैं या जिनमें जलभराव की समस्या होती है। ड्रोन द्वारा सिंचाई की सही योजना बनाई जा सकती है। इसके साथ–साथ ड्रोन के द्वारा फसल की गुणवत्ता निगरानी, मृदा स्वास्थ्य की सटीक जानकारी सरलता से प्राप्त हो जाती है। कृषि ड्रोन दुर्गम एवं पहाड़ी क्षेत्रों में और अधिक क्षेत्रफल वाली भूमि की प्रभावी ढंग से देखरेख कर सकता है। खेती की बढ़ती लागत और प्राकृतिक आपदाओं में बढ़ोतरी के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। ड्रोन फसलों को लेकर सही आकलन करता है। फसल नुकसान के दावों को जल्द निपटाने के लिए सरकार ने ड्रोन से सर्वे कराने का निर्णय लिया है। पीएम फसल बीमा योजना को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक के अधिक से अधिक इस्तेमाल करने के निर्देश दिए है। इसी को देखते हुए कृषि सहित 12 मंत्रालयों का ड्रोन के अनिवार्य उपयोग के लिए चयन किया गया है। यूरिया के अंधाधुंध इस्तेमाल से न केवल जमीन बंजर हो रही है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। इसी को देखते हुए इफ्को ने नैनो यूरिया लांच किया है। इसमें 50 किलो के एक कट्टे जितनी यूरिया 500 मिलीलीटर की बोतल में आ जाएगी। नैनो यूरिया के छिड़काव के लिए ड्रोन उपयोगी है। बोतलबंद तरल नैनो यूरिया एवं डीएपी के खेतों में छिड़काव के लिए सहकारी संस्था इफ्को ने 2,500 ड्रोन खरीदने का आर्डर दिया है। इन ड्रोन को चलाने के लिए 5,000 युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। ड्रोन की ऊंची कीमत और किसानों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकार किसानों को ड्रोन खरीदने पर सब्सिडी दे रही है। यह सब्सिडी अनुसूचित जाति, जनजाति, छोटे एवं सीमांत किसानों, महिलाओं, पूर्वोत्तर के किसानों के लिए ड्रोन के खरीद मूल्य का 50 प्रतिशत या अधिकतम पांच लाख रुपये है। इसके अतिरिक्त ड्रोन खरीदने पर अन्य किसानों को 40 प्रतिशत या अधिकतम चार लाख और किसान उत्पादक संगठनों को 75 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को ड्रोन खरीद हेतु 100 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। केंद्र सरकार ने कृषि मशीनीकरण पर उप–मिशन योजना शुरू की है। इसके तहत कृषि मंत्रालय ने कृषि ड्रोन की खरीद, किराए पर लेने और प्रदर्शन में सहायता करके इस तकनीक को किफायती बनाने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार ड्रोन की पहुंच बढ़ाने के लिए उड़ान संबंधी नियमों को भी आसान बना रही है। परिणामस्वरूप देश में ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। फिलहाल ड्रोन उद्योग 5,000 करोड़ रुपये का है। वर्ष 2026 तक इसके 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार ने ड्रोन एवं ड्रोन के कलपुर्जों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना यानी पीएलआइ योजना भी शुरू की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में ड्रोन की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। इसी को देखते हुए मोदी सरकार भारत को ड्रोन विनिर्माण की धुरी बनाने में जुटी है। ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम से दुनिया को अवगत कराने के लिए आगामी 26–27 जुलाई को दिल्ली में इंटरनेशनल ड्रोन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस साल के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी था कि समावेशी विकास के तहत सरकार फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए किसान ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देगी। मोदी सरकार कृषि बाजार के उदारीकरण के साथ ही खेती–किसानी में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की नीति पर काम कर रही है। कृषि ड्रोन से बीज रोपण से लेकर पानी और कीट प्रबंधन की सटीक जानकारी मिलेगी। कृषि ड्रोन सेंसर तकनीक और इंटेलीजेंस सिस्टम द्वारा बड़े क्षेत्र में कम समय में बीज रोपण कर देता है। रोपण प्रणाली वाले ड्रोन सीधे मिट्टी में बीज लगा सकते हैं। चूंकि ड्रोन फसलों में सही मात्रा में कीटनाशकों एवं उर्वरकों का छिड़काव करता है तो इससे भूमि की शुद्धता बनी रहती है और रसायनों के अधिक प्रयोग की आशंका समाप्त होती है। ड्रोन में लगे सेंसर उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जो बहुत शुष्क होते हैं या जिनमें जलभराव की समस्या होती है।

आज का राशी फल

मेष :– आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाऐं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

बृषभ :– परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए सम्वेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन :– परम्पराओ व संस्कारों कें प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईष्या भाव ठीक नही। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने मे असमर्थ होगा।

कर्क :– किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धो का बिस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत–प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

कन्या :– प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईरीय आस्था हर परीस्थिती पर बिजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुला :– घर–परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केंद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धो में सुधार होगा।

वृश्चिक :– मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका–चौंद से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

धनु :– परिजनो व मित्रों का सनिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य–पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सास्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य ना करे।

मकर :– कुछ नये सम्बन्द बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ :– मन को खराब विचारो से दूर रखते हुए अच्छे कायरे में केन्द्रित करें। नई स्थितियाँ आप मे नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीन :– अपनी वाणी पर नियंतणरखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओ के प्रति आशान्वित करेगा। आर्थिक लाभ के आसार हैं।

सीडीओ ने शिक्षक संकुल कार्यशाला का किया उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। महानिदेशक स्कूल शिक्षा, उ०प्र०, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद के शिक्षक संकुल के सदस्यों को अपने विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करनें हेतु षशिक्षक संकुल कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा किया गया स मुख्य विकास अधिकारी श्री साई तेजा सीलम ने कहा कि शिक्षक को समाज में सर्वोपरि माना गया है इसलिए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए समाज में अपने सम्मान को बनाए रखें तथा जो बच्चे विद्यालय नहीं आ रहे हैं उनके घर–घर जाकर अभिभावक से संपर्क करके उन्हें प्रेरित करके विद्यालय लाये स जिससे दिसंबर 2023 तक विद्यालय के बच्चों को 100: निपुण बनाया जा सके स जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, के उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि कुल 21 विकास खंडों तथा नगर क्षेत्र के शिक्षक संकुलो को कार्यशाला में प्रशिक्षित किया जाना है जिसमें से आज सिरकोनी, बदलापुर, मडियाहूँ, रामनगर ब्लॉक का प्रशिक्षण कराया जा रहा है इस प्रशिक्षण से समस्त शिक्षकों का शिक्षण क्षमता का संवर्धन होगा तथा विद्यालय के बच्चों को निपुण बनाने में बहुत अधिक लाभ प्राप्त होगा स जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने सभी शिक्षक संकुलो को अपने अपने विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप में प्रस्तुत करने तथा यथाशीघ्र बच्चो को निपुण बनाने के लिए विशेष रुप से मार्गदर्शित किया स अंत में वरिष्ठ प्रवक्ता ने सभी का प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा मुख्य विकास अधिकारी महोदय का कार्यशाला के सदस्यों को अभिप्रेरित करने के लिए विशेष आभार व्यक्त किया स कार्यशाला में उप प्राचार्य लालजी यादव,वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ रवींद्र नाथ, समस्त प्रवक्ता, समस्त एस. आर. जी., ए. आर. पी. व शिक्षक संकुल तथा समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे स कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता धर्मेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

चेन्नई के विद्यार्थियों को सिखाई गई मिलावट में जांच की प्रक्रिया

गुरु नानक कालेज चेन्नई के विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और गुरु नानक विद्यालय चेन्नई के संयुक्त तत्वाधान में दोनों संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन के तहत इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम बायोटेक्नोलॉजी में चल रहा है। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के निर्देशन में विश्वविद्यालय ने गुरु नानक कालेज चेन्नई के साथ समझौता किया गया। इसी के तहत सोमवार को चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। उन्हें खाद्य मिलावट पर हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ऋषि श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। इसमें खाद्य पदार्थों में होने वाले मिलावट जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक हैं। उपरोक्त परीक्षण कोर्स में हल्दी, धनिया, जीरा, तेल, दूध, घी एवं अन्य खाद्य पदार्थों में प्रायः होने वाले मिलावट की जांच की प्रक्रिया विद्यार्थियों को सिखाई गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऋषि श्रीवास्तव ने बताया कि जांच के दौरान कई खाद्य पदार्थों में मिलावट पाई गई। ऐसे प्रशिक्षण से निश्चित है लोगों को जागरूक होने में सहायता मिलेगी। साथ में गुरु नानक देव महाविद्यालय की बायोटेक्नोलॉजी की विभागाध्यक्ष डॉ. भारती ने कहा काफी अच्छे माहौल में हमारे शिक्षार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। उन्होंने यहां के शिक्षकों की सहयोगी भूमिका पर प्रसन्नता व्यक्त किया। इस दौरान प्रो. राजेश शर्मा, डॉ. एस पी तिवारी, डॉ. अवधेश कुमार मौर्य, डॉ. दिनेश कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

बीबीडी एकेडमी की रिधिमा थापा को दोहरा खिताब मिला

संवाददाता

लखनऊ। जिला बैडमिंटन चौम्पियनशिप का आयोजन बी0बी0डी0 बैड़मिन्टन एकेडमी, विपिन खण्ड, गोमती नगर लखनऊ में किया गया।महिला वर्ग के फाईनल में रिधिमा थापा ने अरूनिमा मिश्रा को 21–5, 21–5 से हराया, व अण्डर–19 में रिधिमा थापा ने स्नेहा सिंह को 21–14, 21–17 से हराकर दोहरा खिताब अपने नाम किया। पुरस्कार वितरण में अखिलेश कालरा (एडवोकेट), राममोहन अग्रवाल (अध्यक्ष) व संदीप अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), जिला सचिव अनिल ध्यानी, अरूण कक्कड, (उपाध्यक्ष), ए0आर0 अन्सारी ने किया।

गैंगस्टर की 3 लाख की संपत्ति पुलिस ने किया कुर्क

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा लूट करने वाले गैंगेस्टर अपराधी द्वारा अवैध क्रियाकलाप से अर्जित धन से बनाये गये निर्माण को अन्तर्गत धारा 14(1) यू.पी. गैंगेस्टर एक्ट के तहत् कुर्क किया गया।

पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी मडियाहूँ चोब सिंह के नेतृत्व में सोमवार को पुलिस फोर्स व नायब तहसीलदार मडियाहूँ सन्तोष सिंह की संयुक्त टीम द्वारा जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के तहत धारा 14(1) उ.प्र. गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम के तहत जौनपुर स्टेट बनाम रंजीत सरोज में जारी आदेश अभियुक्त रंजीत सरोज पुत्र सत्यप्रकाश सरोज नि. जमलिया थाना मडियाहूँ, जौनपुर द्वारा अवैध क्रिया कलाप से अर्जित धन से अपने मकान के द्वितीय तल पर बनाये गये कमरे को कुर्क किये जाने के अनुपालन में अन्तर्गत धारा 14(1) यू.पी. गैंगेस्टर एक्ट के तहत् जब्त कर सम्पत्ति का प्रशासक तहसीलदार मडियाहूँ को नियुक्त किया गया है।

कुर्क सम्पत्ति ,रंजीत सरोज के मकान के द्वितीय तल पर बना एक कमरा कीमत लगभग– (तीन लाख) रूपये है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पीआरओ डॉ राघवेंद्र शुक्ला को किया गया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रक्षामंत्री भारत सरकार एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के कार्यालय प्रभारी डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला का दारुल उलूम वारसिया एवं वारसिया गर्ल्स इंटर कॉलेज विशाल खंड 4 गोमती नगर में स्वागत सम्मान किया गया।

क्रिकेट और बेडमिंटन खेल के लिए केनरा प्रीमियर लीग की शुरुआत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 22 जुलाई से 5 नवंबर तक केनरा प्रीमियर लीग का आयोजन 24 अंचल कार्यालय के अंतर्गत क्षेत्रिय कार्यालय और प्रधान कार्यालय के मध्य पुरुष वर्ग के लिए क्रिकेट और महिला वर्ग के लिए बेडमिंटन का आयोजन देश के विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है । दिल्ली, मुंबई, को कोलकाता और बेंगलूरू चार जोन बनाए गए हैं। सभी जोन की टॉप टीम सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेलेगी। महिला वर्ग की खिलाड़ी बेडमिंटन में ही भाग ले सकेंगी।

इसी कड़ी में लखनऊ अंचल और उसके सभी 10 क्षेत्रीय कार्यालय के मध्य पुरुष वर्ग में क्रिकेट का मैच अंतरराष्ट्रीय क्रिक्रेट इकाना स्टेडियम में 22 और 23 जुलाई को खेला गया। फाइनल में क्षेत्रीय कार्यालय मुरादाबाद और क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या का बहुत रोमांचक मैच खेला गया, जिसमे अयोध्या ने 7 रनो से लखनऊ अंचल की ट्रॉफी अपने नाम की और अगले दौर के मैच के लिए क्वालीफाई किया। महिला वर्ग में भी लखनऊ अंचल समेत सभी दस क्षेत्रीय कार्यालय ने बेडमिंटन के मैच आर जे बेडमिंटन अकादमी में खेले । जिसके फाइनल मैच में क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी ने लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय को हरा कर लखनऊ अंचल की ट्रॉफी अपने नाम की और अगले दौर में प्रवेश किया। बेडमिंटन के फाइनल मैच में वाराणसी की कुसुम सिंह और श्वेता भारती ने लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय की दिव्या सिंह और देविका मेहरोत्रा को पराजित किया।

एबीसीकेएम ने मेधावी विद्यार्थियों व कायस्थ हस्तियों को किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

गाजियाबाद। जौनपुर अखिल भारतीय चित्रगुप्त कायस्थ महासभा द्वारा कायस्थ मेधावी छात्र सम्मान समारोह में विभिन्न बोर्ड के 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर दिल्ली–एनसीआर की कई कयस्थ हस्तियों को भी प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन ने होनहारों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के सामाजिक दायित्व को एबीसीकेएम बखूबी निभा रहा है। इससे मेधावियों को तो प्रोत्साहन मिलेगा ही, साथ ही अन्य विद्यार्थी भी प्रेरित होंगे।

प्रताप विहार स्थित एसएसके पब्लिक स्कूल में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता व एबीसीकेएम के संरक्षक मनोज सक्सेना, सांसद प्रतिनिधि गुलशन भाम्भरी, अखिल भारतीय चित्रगुप्त कायस्थ महासभा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार श्रीवास्तव और समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रशांत बक्शी ने संयुक्त रूप से भगवान चित्रगुप्त के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्र–छात्राओं को प्रशंस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विजय श्रीवास्तव ने इस अवसर पर बताया कि संगठन सामाजिक सरोकारों के 9 वर्ष पूरे कर रहा है। इस बीच वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन करने के साथ–साथ धार्मिक आयोजनों को भी महत्व देते रहे हैं और संगठन का कई राज्यों में विस्तार देने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

मनोज सक्सेना ने कहा कि पुरस्कार और सम्मान छोटा–बड़ा नहीं होता। यह हर किसी के लिए प्रोत्साहन का काम करता है। इसे पाकर मेधावी छात्र–छात्राओं को सफलता की नई ऊंचाईयों तक पहुंचने का आत्मबल मिलता है। बच्चों के साथ–साथ माता–पिता और शिक्षकों का हौसला बढ़ेगा। गुलशन भाम्भरी ने विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए एबीसीकेएम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन होते रहने चाहिए। इससे बच्चों का उत्साहवर्धन तो होता ही है, उन्हें आगे बढ़ने की भी प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम में दिल्ली–एनसीआर की कई कायस्थ हस्तियों को भी प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया। वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही जूनियर किशोर कुमार के नाम से मशहूर व दूरदर्शन से जुड़े दिल्ली के सुनील कुमार सक्सेना, महिला शिक्षक एवं समाजसेवी किरण श्रीवास्तव, ग्रेटर नोएडा के अतुल कुमार सक्सेना, श्रीवास्तव वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक आर. पी. श्रीवास्तव, बरेली के आलोक सक्सेना, दिल्ली के सुधांशु श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव एडवोकेट, गाजियाबाद के मदन मोहन श्रीवास्तव, राहुल माथुर आदि सम्मानित होने वाली कायस्थ हस्तियों में शामिल रहे।

संस्था के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पंडित अरविन्द शर्मा, श्रीमती रागिनी श्रीवास्तव, श्रीमती निभा श्रीवास्तव, विनोद कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रमोद श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, गौरव सक्सेना, मनोज श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, संजीव कुमार सक्सेना, संजीव किशोर सक्सेना, राज कुमार सक्सेना, संजय श्रीवास्तव आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

सीआईएससीई राष्ट्रीय कबड्डी में सेंट जोसेफ के तीन खिलाड़ी चयनित

रीजनल कबड्डी में सेंट जोसेफ को दूसरा स्थान, तीन खिलाड़ी नेशनल टीम में शामिल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीआईएससीई यूपी/यूके अन्डर–17 बालक कबड्डी की रीजनल प्रतियोगिता का आयोजन जेम्स एन्ड मेरी कान्वेंट स्कूल, ग्रेटर नोएडा में दिनॉक 23 व 24 जुलाई को किया गया। जोन–बी लखनऊ की अन्डर–17 टीम रीजनल कबड्डी में दूसरे स्थान पर रही। सेंट जोसेफ के खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन के चलते राष्ट्रीय कबड्डी टीम में अपनी जगह बनाई। सेंट जोसेफ के उज्जवल पाल, विशेष दीक्षित व आदित्य कुमार को सीआईएससीई अन्डर–17 नेशनल कबड्डी के लिये चुना गया।

इस उपलब्धि पर सेंट जोसेफ विद्यालय समूह की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता अग्रवाल ने प्रधानाचार्य लीना शर्मा, कोच सुधांशु श्रीवास्तव व बच्चों को हार्दिक शुभकामनायें प्रदान की। वही प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल ने खिलाड़ियों को कबड्डी के नेशनल टूर्नामेंट में विजयी होने की शुभकामनायें प्रदान की।

तदर्थ शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष को दिया ज्ञापन

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊ। आज तदर्थ शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल माननीय उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष माननीय भूपेंद्र चौधरी जी से मुलाकात करके अकारण अवरुद्ध वेतन और सेवा सुरक्षा के मांग पत्र को सौंपा उत्तर प्रदेश माध्यमिक संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने माननीयों को अवगत कराया कि 35 दिनों से पार्क रोड में स्थित शिविर कार्यालय शिक्षा निदेशक के प्रांगण में 27 जिलों के लगभग 500 से लेकर 700 तक तदर्थ शिक्षक हनुमान जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो लगाकर प्रतिदिन उनकी आराधना करते हैं सीता राम नाम जाप करते हैं हनुमान चालीसा पढ़ते हैं बजरंग बाण पढ़ते हैं और शाम को आरती करते हुए शांति पूर्वक प्रांगण में बैठकर यह याचना करते रहते हैं कि उनकी समस्याओं का निदान प्रभु श्री राम के भक्त हनुमान जी और माननीय मुख्यमंत्री जी जल्द ही हम लोगों का निराकरण करेंगे इसी उम्मीद से यह सभी शिक्षक प्रांगण में लगातार बैठे हैं

माननीयो का कहना है कि आप लोगों की समस्या का अति शीघ्र ही समाधान माननीय मुख्यमंत्री जी करेंगे

यातना कार्यक्रम का आज 35 वां दिन और उपवास का 21वां दिन है।

ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस ने विपक्षी दलों को एकजुट होने का निमंत्रण दिया

संवाददाता

लखनऊ। आल इंडिया मुस्लिम मजालिस के प्रदेश कार्यकारिणी की एक बैठक मजलिस के दफ्तर तकिया पीर जलील कैंसर बाग में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद नदीम सिद्दीकी एडवोकेट की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई बैठक मे देश के प्रधान मंत्री द्वारा समान नागरिकता कानून बनाने के एलान को देश की जनता में सरकार की विफलताओं को लेकर उत्पन्न आकोश तथा महगाई बेरोजगारी सराकरी संस्थाओं के दुरूपयोग रेलवे एयर पोर्ट आदि को बेचदेने एवं हिन्दू मुस्लिम के बीच नफरत फैलाकर 2024 मे पुनः केन्द्र में सत्तासीन होने की आर०एस०एस व भाजाया की जो योजना है उससे जनता का ध्यान भटकाने मात्र बताते हुए कहा गया कि देश में विभिन्न धर्मो समुदायों का अलग–अलग परम्पराये, संस्कृति एवं धार्मिक मान्यता है ऐसे में भारत जैसे देश मे समान नागरिक संहिता लागू किया जाना सम्भव नही है यह जानते हुए भी सत्ता के अहंकार मे प्रधान मंत्री जी ने ये सगूफा जना बूझ कर छोड़ा है कि मूसलमानो द्वारा इसका परखर विरोध किया जायेगा तो भाजपा को आगामी लोक सभा चुनाव मे राजनैतिक लाभ मिलेगा लेकिन जब देश के चारो तरफ से इसका विरोध होने लगा तो प्रधान मंत्री जी को आभास हो गया कि उनका यह दांव जनता को भ्रमित नहीं कर पायेगा, बैठक में मुसलमानों विशेष तौर से मुस्लिम राजनैतिक वह धार्मिक संगठनों से कामन सिविल कोर्ड पर अपनी ऐसी किसी तरह की प्रतिक्रिया देने एवं इस तरह की डीवेट में भाग लेने से बचने की अपील की गई है जिससे भाजपा व आर०एस०एस मुसलमानो द्वारा विरोध करने का दुष्प्रचार करके राजनैतिक लाभ लेने मे सफल न हो सके। बैठक मे मणिपुर मे सम्प्रादिक दंगा के नाम पर लगभग 80 दिनों से सम्प्रादियक व अपराधी तत्वो द्वारा साशन प्रशासन के संरक्षण मे मणिपुर का जनजीवन नष्ट किया जा रहा है, 4 मई को पुलिस के संरक्षण मे महिलाओ व पुरूषो को छीन कर दंगाइयों द्वारा महिलाओं को जिस तरह नंगा करके घुमाया गया, उनके साथ सामूहिक बलत्कार किया गया. पिता व भाई द्वारा बचाने का प्रयास करने पर उनकी हत्या कर दी गई इस विभत्तस व शर्मसार कर देने वाली दुखदः घटना को इतना समय बीत जाने के बावजूद दोषियो पर सरकार द्वारा ठोस कार्यवाही करने के बजाये इस घटना को छुपाया रखा गया इससे स्पष्ट हो जाता है।

कि राज्य सरकार ने दंगाईयों को खुली छूट दे रखी है, इस घटना के सोशल मीडिया द्वारा उजागिर हो जाने पर मुख्य मंत्री से सवाल पूछे जाने पर उनका यह कथन यहाँ ऐसी घटनाये बराबर घट रही हैं.

छात्र /छात्राओं को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन/टेबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रजत कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट , लखनऊ एवं रजत वोमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट , लखनऊ के अंतिम वर्ष के छात्र ध छात्राओ को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन/टेबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर सुषमा खर्कवाल, एवं विशिष्ट अतिथि डॉ सुरभि विधायक कायमगंज विधानसभा रही । कार्यक्रम की अध्यक्षता रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, लखनऊ के चेयरमैन डॉ. आर. जे. सिंह ने किया।कार्यक्रम में रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, लखनऊ की वाइस चेयरमैन पुष्पलता सिंह, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं समस्त शिक्षकध शिक्षिकाएं सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि ने छात्रध छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में शिक्षा का स्वरूप बदल गया है। पहले के समय में शिक्षा प्राप्त करना बहुत ही कठिन कार्य था लेकिन आज हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत आप सभी को स्मार्टफोनध टैबलेट वितरित करने का जो संकल्प लिया है उससे सभी तकनीकी रूप से सशक्त हो रहे हैं और आगे भी बढ़ रहे हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुरभि ने कहा कि हम सभी को किसी भी उपलब्धि पर संतुष्ट होकर नहीं बैठ जाना चाहिए बल्कि खुश होकर और बेहतर करने का प्रयास करना चाहिये। अन्त में डॉ. आर. जे. सिंह ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। रजत ग्रुप की वाइस चेयरमैन पुष्पलता सिंह ने अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पसमांदा समाज के साथ बीजेपी की बैठक

संवाददाता

लखनऊ। 2024 लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए बीजेपी ने रविवार को पसमांदा समाज के लोगों के साथ सम्मेलन किया। पिछले साल से बीजेपी पसमांदा समाज के लोगों को रिझाने की कवायद कर रही है। यही कारण है कि बीजेपी का अल्पसंख्यक मोर्चा लगातार पसमांदा मुसलमानों के साथ संवाद स्थापित करने का काम कर रहा है। रविवार को बुलाए गए इस सम्मेलन के आयोजक राष्ट्रीय मुस्लिम पसमांदा महाज (आरएमपीएम) है। यूपी सरकार के राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, यूपी अल्पसंख्यक कल्याण आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी समेत कई बड़े मुस्लिम चेहरे मौजूद रहे। पसमांदा समाज की इस बैठक में यूनिफॉर्म सिविल कोर्ड को लेकर मुसलमानों के बीच में जो गलतफहमियां है उसे दूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में यह पहला सम्मेलन है। जो कर रही है। इसमें पसमांदा समाज से आने वाले मुसलमान शामिल होंगे। 2024 लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए बीजेपी 27 जुलाई से पूरे देश में पसमांदा ने यात्रा शुरू करने वाली है। यात्रा यूपी के गाजियाबाद से शुरू होकर यूपी के सभी मुस्लिम बाहुल्य इलाकों से गुजरेगी। जहां पसमांदा मुसलमानों के साथ संवाद स्थापित करने का काम किया जाएगा।

इसके अलावा यह यात्रा देश के अन्य राज्यों से भी गुजरेगी। भारतीय जनता पार्टी पास बांदा समाज में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए लगातार उत्तर प्रदेश में पसमांदा मुसलमानों के बीच में कार्यक्रमों को करा रही है इसमें बीजेपी कि मुसलमानों से जुड़ी पॉलिसी के बारे में बताया जा रहा है। पूरे देश में बीजेपी पासमंदा बुद्धिजीवी सम्मेलन डरा रही है जिसमें पसमांदा समाज से आने वाले बड़े नेता भी शामिल हो रहे हैं। पिछले 1 सालों के दौरान बीजेपी मुसलमानों के लिए तमाम कार्यक्रम को अंजाम दिया है।

ढोल बजने से भड़के मवेशी, मारपीट व हंगामा, तीन चोटिल

बाराबंकी (संवाददाता)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के दोहई गांव में ढोल ताशे बजने के दौरान मवेशी भड़क उठे। इसे लेकर दूसरे पक्ष ने एतराज किया और कहासुनी हो गई।

हंगामे के दौरान लाठी–डंडे चले, जिसमें एक पक्ष की दो महिलाओं समेत तीन लोगों को चोटें आईं। पुलिस ने आठ को नामजद करते हुए 25 अन्य के खिलाफ हमले का केस दर्ज किया है।

मुकेश के गीतों ने लोगों को जीना सिखाया दवा का काम करता है संगीत : प्रेम चंद अग्रवाल

1-नगर निगम टाउनहॉल में धूमधाम से मनाया गया मशहूर गायक मुकेश का 100वां जन्म दिन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

देहरादून। जौनपुर बॉलीवुड के मशहूर गायक मुकेश चंद माथुर (मुकेश) के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रेमचंद अग्रवाल ने उन्हें याद करते हुए कहा कि आज नही कई दशकों से लोग मुकेश जी के जीवंत गीतों को सुनते हुए बड़े हुए है। उन्होंने कहा की फिल्मी दुनिया में एक दौर था जब लोग हर फिल्मों में मुकेश जी के गीतों को ढूँढते थे । उन्होंने अपने दौर की बात याद करते हुए कहा की मेरे सबसे पसंदीदा गायक मुकेश जी थे और मै उन्ही के गीतों को सुनते हुए बड़ा हुआ हूँ । मशहूर गायक मुकेश जी के सौवें जन्मदिवस पर नगर निगम में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की अगुवाई में शृंखला और अपना परिवार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में मुकेश जी के गीतों को गाकर लोगों ने उन्हें याद किया । कार्यक्रम की शुरुआत अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के द्वारा स्थानीय विधायक सविता कपूर , डीआईजी अमिताब श्रीवास्तव , निंबस के चेयरमैन राजेश तिवारी , बिद्यार्थी परिषद के रमाकान्त श्रीवास्तव सहीत एबीकेएम के पदाधिकारियों को सम्मानित कर की गई। कार्यक्रम की शुरुआत एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल गीत से की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मशहूर गायक गोपाल भटनागर ,पीयूष निगम ,राजीव जौहरी , विक्रम श्रीवास्तव ,संजीव वर्मा , संदीप अग्रवाल ,एस के सिन्हा ,प्रियंता खरे ,ज्योति झा ,आदित्य सक्सेना , पुरुषोत्तम भट्ट ,मनीषा आले ,लोकनाथ साहू , हितेंद्र सक्सेना सहित कई गायकों ने मुकेश जी के गीत गाकर उन्हें याद किया । कार्यक्रम के दौरान केक काटकर भी उनके जन्मदिन को मनाया गया इस दौरान मुख्य अतिथि प्रेम चंद अग्रवाल , विधायक सविता कपूर और दून के मेयर सुनील ऊनियाल गामा के साथ अमित श्रीवास्तव ,अनिता सक्सेना , विवेक श्रीवास्तव , सर्वेश माथुर , रवि सरन , धर्मेंद्र निगम ,रोहित वर्मा ,सौरभ सक्सेना , राजकुमार , सचिन सहित एबीकेएम और अपना परिवार के लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन विनोद श्रीवास्तव और अंजु श्रीवास्तव ने किया ।इस के साथ ही मुकेश जी के जन्मदिन पर देहरादून में कई और कार्यक्रम का आयोजन हुआ । वही मुकेश जी के 100वें जन्मदिन के अवसर पर मौलोदी लिजेंड के द्वारा भी एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एबीकेएम के प्रदेश अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहाँ की संगीत एक जीवन दायनी के रूप में है, यह एक थेरेपी है जिसमें सभी चीजों का इलाज है ।इस कार्यक्रम में एसके सिन्हा, गोपाल भटनागर, अरुण भट्ट, अनिल गुप्ता, चारुलता गुप्ता एवं निकिता तोमर के द्वारा श्री मुकेश जी के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी गई ।कार्यक्रम में प्रसिद्ध हस्त रेखा विशेषज्ञ सुनील माथुर एवं ज्वेल रेसिडेंसी के अध्यक्ष विनोद गुप्ता , नीतू श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में श्रोतागण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में इंडियन आइडल फेम चारूलता गुप्ता को सम्मानित भी किया गया।

मेडिकल कैंप में लोगों को मुफ्त दवाएं दी गयी

संवाददाता

लखनऊ। भारत सरकार के आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आरईसी लिमिटेड द्वारा मदद सहयोग गाइडेंस फाउंडेशन (द एमएसजी फाउंडेशन) के सहयोग से बादशाहनगर, लखनऊ में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर द्वारा लगभग 160–170 रोगियों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ। इस चिकित्सा शिविर के हिस्से के रूप में, विभिन्न बीमारियों से जुड़े जोखिम कारकों को कम करने के लिए पूरे शरीर की व्यापक जांच की गई। शिविर के दौरान दी जाने वाली सेवाओं में रक्त शर्करा के स्तर की जांच, मुफ्त चिकित्सा परामर्श और बुखार, फ्लू, खांसी, दृष्टि समस्याओं, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं और विटामिन की कमी के लिए मुफ्त एलोपैथिक दवाएं प्रदान करना शामिल था। इसके अलावा, सभी रोगियों को सैनिटरी नैपकिन, कीटाणुनाशक, मास्क और साबुन जैसी स्वच्छता संबंधी वस्तुएं निःशुल्क वितरित की गईं।

सुएज इंडिया ने लालकुआं वार्ड में पुराने सीवेज चौंबर के निर्माण का काम शुरू किया

सीवर चौंबर के बन जाने से इलाके के 2000 घरों को गंदे जलभराव की समस्या से मिलेगी निजात

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सोमवार को राजधानी में सीवर मेंटेंस और मैनेजमेंट की कार्यदाई संस्था सुएज इंडिया ने लालकुआं वार्ड में जर्जर हो चुके सीवर की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया है। बारिश के समय सीवर जाम हो जाने के चलते पूरे इलाके में सीवर का पानी बाहर आ जाता था। इस समस्या से इलाके के लगभग 2000 घर प्रभावित थे। यहां सुएज इंडिया द्वारा लगभग 22 फीट गहराई के पुराने सीवर चौंबर का पुनर्निर्माण किया जा रहा है।

लालकुआं वार्ड के स्थानीय पार्षद सुशील तिवारी पम्मी ने कहा, ष्सुएज इंडिया द्वारा किया जा रहा सीवर मरम्मत का काम बेहद सराहनीय है। यहां भारी बारिश के दौरान, सीवर सिस्टम पानी के प्रवाह को नहीं संभाल पाता था, जिससे क्षेत्र में जलजमाव हो जाता है। इस समस्या का खामियाजा वार्ड के करीब 2000 परिवारों को भुगतना पड़ता था। सुएज इंडिया के प्रयासों के लिए धन्यवाद, अब हम लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के समाधान की उम्मीद कर सकते हैं।

सुएज इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजेश मठपाल ने बताया, ष्कंपनी ने प्रभावित क्षेत्र में एक सीवर चौंबर का पुनर्निर्माण शुरू किया, जो लगभग 22 फीट गहरा है। इस कदम से सीवर पानी के ओवरफ्लो की समस्या का समाधान करने और निवासियों द्वारा सामना की जाने वाली लगातार जलजमाव की समस्याओं को कम किया जा सकेगा। यदि मौसम ने साथ दिया तो लगभग एक हफ्ते में इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

विदेशी मेहमानों ने सिखाये ड्राई क्लीनिंग के नये तौर तरीके

संवाददाता

लखनऊ। ड्राईक्लीनर्स एंड लॉन्ड्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया,डीएलएआई की ओर से रविवार को गोमतीनगर के एक प्रतिष्ठित होटल में समर टूर 2023 की चौथी और आखिरी बैठक का उद्घाटन किया गया। इस दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश डी भाटिया की अगुवाई में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भी हुआ। जिसमें यूरोप के पीटर वेन्नेक्स, सुश्री एना स्टोइका और श्रीमती गैब्रिएला डेमे ने यहाँ के ड्राईक्लीनिंग से जुड़े सुधीर बत्रा औरगिरीश मनोचा व अन्य के साथ मिल कर आधुनिक ड्राई क्लीनिंग के नये तौर तरिको पर प्रकाश डालते हुये लोगो की तमाम भ्रांतियों को दूर किया। सिर्फ एक हफ्ते में ब्छम्ज् द्वारा डिजाइन और आयोजित एक पूरे दिन का कार्यक्रम बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली और लखनऊ में किया गया। ब्छम्ज् के सीईओ पीटर वेन्नेक्स और अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं और अंतरराष्ट्रीय ड्राईक्लीनिंग और लॉन्ड्री उद्योग के 12 पेशेवरों द्वारा समर्थित विशेषज्ञों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने आधुनिक पेशेवर कपड़ा देखभाल में अंतरराष्ट्रीय मानक प्रस्तुत किए। डीएलएआई ने व्यवसाय विकास में अपने सदस्यों का समर्थन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञता और ज्ञान प्रदान करने वाले भारत पीटीसी उद्योग तक पहुंचने के लिए इस पहल को विकसित किया। कोविड के बाद बाजार की चुनौतियों, उन्नत आधुनिक पीटीसी प्रसंस्करण, नवाचारों, स्थिरता परियोजनाओं, मानव संसाधन प्रबंधन और विशिष्ट ग्राहक लक्ष्य समूहों के लिए अनुकूलित नए व्यवसाय मॉडल की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के मिलान में ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस अवार्ड्स 2022 के विजेताओं, जिनमें 3 भारतीय प्रतिभागी (बीपी प्योरटेक्स, टम्बलड्री और लॉन्ड्रोकार्ट) शामिल हैं, ने ब्छम्ज् के योग्य प्रशिक्षकों सुश्री एना स्टोइका और श्रीमती गैब्रिएला डेमे द्वारा प्रस्तुत शिक्षा और प्रशिक्षण के ढांचे के भीतर अपनी कंपनी और व्यवसाय का मामला प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को उनकी पसंद के अनुसार 60 दिनों की निःशुल्क ई–लर्निंग के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय वॉपकॉम प्लेटफॉर्म की सदस्यता की पेशकश की गई। प्रतिनिधियों को पहले ष्पीटीसी में भारत मास्टर बनने के लिए एक परीक्षा की पेशकश की गई थी, जिसे 21 भारतीय पेशेवरों ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

केंद्रीय मंत्री का फोन नहीं उठाते मध्यांचल एमडी

संवाददाता

लखनऊ। बिजली को लेकर प्रदेश की जनता के साथ अब केंद्रीय मंत्री भी परेशान हैं। स्थिति यह है कि अधिकारी उनका भी फोन नहीं उठा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने जिला विकास समन्वय समिति की बैठक ने अधिकारियों से बात करते हुए कहा कि आम लोगों तो दूर की बात है अधिकारी जनप्रतिनिधियों का फोन तक नहीं उठाते हैं। उन्होंने कहा, मध्यांचल एमडी भवानी सिंह खरगौत फोन नहीं उठाते हैं। यहां तक की पीआरओ के नंबर पर भी कोई जवाब नहीं आता है। दिल्ली के आवास से कॉल करने पर भी फोन नहीं उठता।

उमस बढ़ने के साथ ही यूपी में बिजली संकट फिर से बढ़ गया है। स्थिति यह है कि लखनऊ के ग्रामीण इलाकों में प्रतिदिन 10 से ज्यादा ट्रांसफॉर्मर खराब हो रहे है। ग्रामीण सेक्टर की स्थिति दिन प्रतिदिन खराब हो रही है। फॉल्ट की वजह से घंटों बिजली नहीं आती है। ऐसे में मंत्री कौशल किशोर ने इलाके के लोगों की समस्याओं को लेकर एमडी मध्यांचल को फोन किया तो उनका फोन तक नहीं उठता है।

कौशल किशोर का कहना है, जब उन्हें मेरा फोन उठाकर जवाब देने की फुर्सत नहीं है तो वह आम जनता की क्या ही सुनेंगे। उन्होंने कहा, ऐसे में अब इस मुद्दे पर सीएम से बात करूंगा। मौजूदा समय मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र में बंथरा समेत दर्जनों क्षेत्र भीषण बिजली संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने एमडी के रवैये पर नाराजगी जाहिर की है। कौशल किशोर पहले मंत्री नहीं है जिसका फोन नहीं उठा। अधिकारी मौजूदा समय में विभागीय मंत्री तक की नहीं सुनते। विभाग में कुछ ऐसी ही चर्चा चेयरमैन एम देवराज को लेकर है।

आईबीएस बिजनेस स्कूल ने किया हेड ऑफ डिपार्टमेंट मीट का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। आईबीएस बिजनेस स्कूल ने हेड ऑफ डिपार्टमेंट्स मीट कस आयोजन किया। आईबीएस भारत के उच्चतम बिजनेस स्कूल में एक है जिसने हेड ऑफ डिपार्टमेंट्स मीट का आज होटल दयाल पैराडाईज गोमती नगर में आयोजन किया। आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल 1995 से स्थापित है, जिसके 9 कैंपस भारत के विभिन शहरोंहैदराबाद,मुंबई गुरुग्राम ,बैंगलौर ,पुणे ,कोलकता ,अहमदाबाद ,देहरादून और जयपुर में है।यहाँ से अभी तक 65000 से भी ज़्यादा विद्यार्थियों ने प्रबन्धन की पढाई की है। इस वक्त देश और विदेश के विभिन संस्थानों में कार्यरत हैं।डॉ शालिनी खंडेलवाल, फैकल्टी आईबीएस गुरुग्राम ने "रीथिंकिंग स्टूडेन्ट डिवेलपमेंट्सरू स्ट्रैटजीस एन्ड न्यू पैराडिजीमस" विषय पर हेड ऑफ डिपार्टमेंट्स मीट किया। डॉ शालिनी खंडेलवाल ने लखनऊ के संस्थानों ,कॉलेजोंव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं एचओडी को इस विषय पर जानकारी दी।

शिव कुमार बटालवी मानवीय संवेदनाओं के थे श्रेष्ठ शब्दकार

संवाददाता

लखनऊ। जुलाई रविवार को उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी की ओर से विख्यात कवि और साहित्यकार शिव कुमार बटालवी के जन्मदिवस के अवसर पर रविवार 23 जुलाई को अशोक मार्ग स्थित अकादमी कार्यालय परिसर में पंजाबी साहित्य विच शिव कुमार बटालवी जी दां योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 23 जुलाई, 1936 में जन्में शिव कुमार बटालवी के जन्मदिवस पर कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ताओं ने कहा कि शिव कुमार बटालवी मानवीय संवेदनाओं के श्रेष्ठ शब्दकार थे।संगोष्ठी से पहले ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये गए। अकादमी के नोडल अधिकारी अरविन्द नारायण मिश्र के संचालन में हुई संगोष्ठी में वरिष्ठ पंजाबी लेखक डॉ० सत्येन्द्र पाल सिंह ने कहा कि शिव कुमार बटालवी मानवीय संवदेनाओं के श्रेष्ठ शब्दकार थे। जिन्हें प्रतिबिंबों, उपमाओं के नव प्रयोग से पंजाबी साहित्य को समृद्ध किया और पद्य नाटक विधा के द्वार खोले। इस क्रम में वरिष्ठ पंजाबी लेखक देवेन्दर पाल सिंह ने कहा कि शिव कुमार बटालवी एक महान साहित्यकार, नाटककार थे, जो साल 1965 में मात्र 30 वर्ष की सबसे कम आयु में अपनी चर्चित काव्य नाटिका लूना के लिए भारत का सर्वाधिक प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त कर भारतीय इतिहास में अपना नाम किया। वरिष्ठ पंजाबी लेखक नरेन्द्र सिंह मोंगा ने कहा कि शिव कुमार बटालवी के व्यक्तिगत परिचय उनके साहित्यिक सफर तथा रचनाओं का संक्षिप्त वर्णन करते हुये कहा कि शिव कुमार बटालवी आधुनिक युग के एक प्रख्यात कवि, साहित्यकार व नाटककार थे, जो बहुत ही कम समय में लोगों के दिलों में बस गये। वरिष्ठ रंगकर्मी आतमजीत सिंह ने कहा कि शिव कुमार बटालवी के श्रंगार रस के विरह एवं दर्द भरे गीतों, रचनाओं, कविताओं को अपने ओज आवाज में सुना कर गोष्ठी में मौजूद श्रोतागणों को मंत्रमुग्ध किया। पंजाबी चिंतक दलवीर सिंह ने कहा कि शिव कुमार बटालवी के पंजाबी साहित्य में योगदान और उनकी रचनाओं को याद कर विस्तृत रूप से उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। पंजाबी शिक्षाविद् मनजीत कौर ने कहा कि प्रकृति के सुकुमार कवि, पंजाबी भाषा के मॉर्डन शायर, लेखक और नाटककार शिवकुमार बटालवी ने गुरु नानक देव के सच्चा सौदा पर कविताएं लिखी। उनकी मुख्य रचनाएँ सच्चा बणजारा और सच्चा साध हैं। इक कुड़ी जिहदा नाम मोहब्बत और इक मेरी अख काशनी इस प्रकार के गीतों के रचयिता शिव कुमार बटालवी आज भी लोगों के हृदय में विराजमान है। पंजाबी लेखिका रनदीप कौर ने कहा कि शिव कुमार बटालवी पंजाबी शायरी का वह उच्च मुकाम है जिन्होंने बहुत ही कम समय के जीवन और साहित्य में वह सब कुछ कर दिखाया, जो किसी के नसीब में नहीं होता। सबसे कम उम्र में भारतीय साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजे गये।

यूपी एसटीएफ के दो फर्जी अफसर अरेस्ट

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स के दो अफसरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों फर्जी अफसर की बरेली से गिरफ्तारी की है। यूपी एसटीएफ को जानकारी मिली कि बीते कई महीनों से ब्लैक स्कॉर्पियो पर स्टिकर लगाकर पिस्टल दिखाकर लोगों से अवैध वसूली दोनों कर रहे थे। इनके पास से प्लास्टिक की पिस्टल, 8 कारतूस, 315 बोर का तमंचा बरामद हुआ है। यूपी एसटीएफ से पूछताछ में जानकारी हुई कि गिरफ्तार किए गए बरेली के रहने वाले हिमांशु शर्मा, शिवम शर्मा ने लखनऊ की नंबर की काली कलर की स्कॉर्पियो करी हुई थी। लखनऊ के नंबर की स्कॉर्पियो पर एसटीएफ का एक स्टीकर चिपका कर या प्रदेश के विभिन्न जिलों में रात में वसूली करते थे। खुद को एसटी आपका अफसर बताते थे प्लास्टिक की पिस्टल दिखाकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में वसूली कर रहे थे। एसटीएफ के पूछताछ में खुलासा हुआ है।

हजरत हुसैन हक़ की अलामत बन कर उभरे : क़ारी मो० हारून

संवाददाता

लखनऊ। इस्लाम के दुशमनों ने उसको नुकसान पहुंचाने की विशेष रूप से दो प्रकार की कोशिशें की हैं। एक खुले तौर पर दुशमनी की और दूसरे मित्रता के पर्दे में दुशमनी की, जिसको मुनाफिक़त कहते हैं। यह कहना मुशकिल है कि इस्लाम को खुले दुशमनों ने अधिक नुकसान पहुंचाया या मुनाफिकों ने। जन्नत के नौजवानों के सरदार हजरत हुसैन को भी दोनो प्रकार के दुशमनों ने नुकसान पहुंचाया। इन ख्यालात का इज्हार क़ारी मो0 हारून अध्यापक दारूल उलूम फरंगी महल ने किया। वह आज दारूल उलूम फरंगी महल में इस्लामिक सेन्टर के अर्न्तगत दस दिवसीय जलसे ''शुहादा–ए–दीन–हक व इस्लाह–ए–मुआशरा'' के तहत चौथे जलसे को खिताब कर रहे थे। जलसे का आरम्भ दारूल उलूम निजामिया फंरगी महल के अध्यापक क़ारी कमरूद्दीन की तिलावत कलाम पाक से हुआ। उन्होंने कहा कि मुसलमान अच्छी तरह जानता है कि नबी पाक सल्ल0 के नवासे हजरत इमाम हुसैन ने दीन की बुनियादी चीजों में जब तबदीली होने लगी तो किस तरह बेचैन हो गए और बेचैनी इतनी बढ़ी कि इसकी निशानदही के लिए अपना सब कुछ लुटा दिया। यही वजह है कि हजरत हुसैन हक़ की अलामत बन कर उभरे। मौलाना ने कहा कि हजरत हुसैन रजि॰ की हस्ती ईमान व तक़वा, अल्लाह पर भरोसा, सच्चाई, सब्र व शुक्र, हिम्मत, कुर्बानी, बे खौफी और शहादत के शौक़ जैसी विशेषताओं की प्रतीक थीं। आप रजि॰ की जीवनी के निर्माण में रसूल अकरम स॰ की शिक्षा व दीक्षा का पूरा असर मिलता है। आप रजि॰ को झूट, दोखे बाजी, गद्दारी, मुनाफिकत, बुजदिली और तमाम बुराइयों से बहुत नफरत थी। मौलाना ने कहा कि 10 मुहर्रम 61 हि॰ को मैदाने कर्बला में हजरत हुसैन रजि॰ दुनिया को सच्चाई को साबित करने, बातिल को खत्म करने और ईसार व कुर्बानी के जो पैग़ाम दिया वह सबके लिए बेहतरीन नमूना है। उन्होंने ने कहा कि सत्य के मार्ग में शहादत का प्राप्त करना अल्लाह की बड़ी नेमत है।

भाजपा के फासीवादी शासन को हटाने के लिए एकजुटता जरूरी

संवाददाता

लखनऊ। अब दुनिया के लोगों के सामने पूरी तरह से स्पष्ट हो गया है कि महिलाओं के सामूहिक बलात्कार और अल्पसंख्यकों और आदिवासी समुदायों पर की गई हत्याओं सहित जनसंहार की भयावहता, जिनके साथ नाजी जनसंहार के दिनों की तुलना ही हो सकती है। मणिपुर के हालात भयावह हैं। महासचिव भाकपा माले रेड स्टार पी जे जेम्स ने कहा कि यह राज्य और केंद्र दोनों में बहुसंख्यकवादी, विभाजनकारी, फासीवादी–हिंदुत्व शासन का प्रत्यक्ष परिणाम है। मणिपुर और भारत दोनों को पूर्ण बर्बादी से बचाने के लिए, लोगों के सामने एकमात्र विकल्प उन फासीवादियों को हटाना है जो अल्पसंख्यक, जातीय–आदिवासी समुदायों के खिलाफ बहुमत को खड़ा करके सत्ता में बने हुए हैं। सीपीआई एमएल रेड स्टार की केंद्रीय समिति राज्य कमिटी, पार्टी समितियों से अपील करती है।

मुस्लिम मजलिस ने यूसीसी को बताया देश की अखंडता के लिए खतरा

संवाददाता

लखनऊ। आल इंडिया मुस्लिम मजालिस के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक मजलिस के दफ्तर तकिया पीर जलील कैंसर बाग में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद नदीम सिद्दीकी एडवोकेट की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। बैठक मे प्रधान मंत्री के समान नागरिकता कानून बनाने के एलान को देश की जनता में सरकार की विफलताओं को लेकर उत्पन्न आकोश तथा महगाई बेरोजगारी सरकारी संस्थाओं के दुरूपयोग, रेलवे एयर पोर्ट आदि को बेच देने एवं हिन्दू मुस्लिम के बीच नफरत फैलाकर 2024 मे पुनः केन्द्र में सत्तासीन होने की आरएसएस व भाजपा की जो योजना है उससे जनता का ध्यान भटकाने मात्र बताते हुए कहा गया कि देश में विभिन्न धर्मो समुदायों का अलग–अलग परम्पराये, संस्कृति एवं धार्मिक मान्यता है ऐसे में भारत जैसे देश मे समान नागरिक संहिता लागू किया जाना सम्भव नही है। यह जानते हुए भी प्रधानमंत्री ने ये शगूफा छोड़ा है कि मूसलमानो द्वारा इसका विरोध किया जायेगा तो भाजपा को आगामी लोक सभा चुनाव मे राजनैतिक लाभ मिलेगा। लेकिन जब देश के चारो तरफ से इसका विरोध होने लगा तो प्रधान मंत्री को आभास हो गया कि उनका यह दांव जनता को भ्रमित नहीं कर पायेगा। बैठक में मुसलमानों विशेष तौर से मुस्लिम राजनैतिक वह धार्मिक संगठनों से कामन सिविल कोर्ड पर अपनी ऐसी किसी तरह की प्रतिक्रिया देने एवं इस तरह की डीवेट में भाग लेने से बचने की अपील की गई है जिससे भाजपा व आरएसएस मुसलमानो द्वारा विरोध करने का दुष्प्रचार करके राजनैतिक लाभ लेने मे सफल न हो सके।बैठक मे मणिपुर मे सम्प्रादिक दंगा के नाम पर लगभग 80 दिनों से साम्प्रदायिक व अपराधी तत्वो द्वारा मणिपुर का जनजीवन नष्ट किया जा रहा है। 4 मई को पुलिस के संरक्षण मे महिलाओ व पुरूषो को छीन कर दंगाइयों द्वारा महिलाओं को जिस तरह नंगा करके घुमाया गया, उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। पिता व भाई द्वारा बचाने का प्रयास करने पर उनकी हत्या कर दी गई। इस शर्मसार कर देने वाली दुखदः घटना को इतना समय बीत जाने के बावजूद दोषियो पर सरकार द्वारा ठोस कार्यवाही करने के बजाये इस घटना को छुपाया रखा गया।

ई श्रम पोर्टल पंजीकृत को मिले आयुष्मान कार्ड

महंगाई ने श्रमिकों का जीवन किया दुष्वार

संवाददाता

लखनऊ। ई श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों के स्वास्थ्य सुविधा के लिए आयुष्मान कार्ड बनाया जाना चाहिए, उनका बीमा होना चाहिए, उनके बच्चों को आरटीई एक्ट के तहत मुफ्त शिक्षा का इंतजाम होना चाहिए, लड़कियों की शादी के लिए अनुदान मिलना चाहिए और उन्हें आवास व पेंशन की सुविधा दी जानी चाहिए। यह मांगे 1 अगस्त को डीएलसी ऑफिस में आयोजित असंगठित मजदूरों के साझा मंच के सम्मेलन की तैयारी में लखनऊ में हुए मजदूरों के संवाद में उठी। तैयारी के क्रम में चारबाग रेलवे स्टेशन के कुलियों, गोमती नगर, उदय गंज, हजरतगंज के लेबर अड्डे पर मौजूद निर्माण श्रमिकों और पुराने लखनऊ में चिकनकारी मजदूरों के बीच में संवाद किया गया। संवाद में वर्कर्स फ्रंट के प्रदेश अध्यक्ष दिनकर कपूर ने कहा देश का संविधान सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय की गारंटी करता है लेकिन मजदूरों को न्याय नहीं मिला। पूंजीपतियों के लिए बनने वाली नीतियां और कानून तत्काल लागू होते हैं लेकिन मजदूरों के हितों के कानून सरकारों द्वारा ठंडे बस्ते में डाल दिए जाते हैं। मजदूरों को अपने अधिकारों को पाने के लिए संगठित होना होगा, साझा मंच इसी दिशा में एक प्रयास है। टीयूसीसी के प्रदेश महामंत्री प्रमोद पटेल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद करोड़ों मजदूरों का पंजीकरण तो करा लिया गया लेकिन उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया। इस सामाजिक सुरक्षा को हासिल करने के लिए जनजागृति की जाएगी और सरकार पर दबाव बनाया जाएगा। कुली यूनियन के अध्यक्ष राम सुरेश यादव ने कहा कि रेलवे के निजीकरण से कुलियों को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। कोरोना काल के बाद बहुत सारी ट्रेनें बंद कर दी गई और बहुत सारी ट्रेनों में स्लीपर क्लास के डिब्बे घटा दिए गए परिणाम स्वरूप आमदनी बेहद कम हो गई है और इस महंगाई में जीवन जीना और अपने परिवार का भरण पोषण करना कठिन होता जा रहा है। सभी मजदूरों से 1 अगस्त के सम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील संवाद के दौरान की गई। संवाद में गोरखनाथ सोनी, केशव मिश्रा, अर्जुन कुमार, रमेश कुमार, मुन्नी बाई, संजय कुमार, विजय कुमार, राम सरण पाल, कमलेश कुमार, जलील खान आदि मजदूरों ने अपनी बात रखी।

भारतीय किसान यूनियन का एलडीए मुख्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता / लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक संगठन के तत्वावधान में किसानों ने लखनऊ विकास प्राधिकरण मुख्यालय गोमती नगर में धरना,प्रदर्शन किया। पूरे प्रदेश में वृक्षारोपण दिवस मनाया जा रहा है और सरकार पेड़ लगाओ,पेड़ बचाओ का अभियान चला रही है। दूसरी तरफ लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित मोहान रोड फेस–1 योजना में किसानों के पूर्वजों द्वारा लगाए गए लाखों फलदार पेड़ों को काटने की साजिश रची जा रही है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।